



१८८८
१८८८

भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रीभिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ५३०। नई विरासी, मंगलवार, दिसम्बर ११, १९९०/ग्राहायण २०, १९१२
No. 530] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 11, 1990/AGRAHAYANA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, ११ दिसम्बर, १९९०

सा. का. नि. ९४२ (म).—केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, १९८९
(१९८९ का २४) की धारा ८७ की उपधारा (२) के बंध (ज) और
(म) द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती
है; अधीन:—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:

१. इन नियमों का संक्षिप्त नाम खुला परिदान देने की रीति
और अधिकारी परिदान प्रमाण-पत्र प्रलग शिल्प किया जाना,
नियम १९९० है।

२. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. परिमाणः

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से रेल अधिनियम, १९८९ (१९८९ का २४)
अभिवृत है।

(अ) "खुला परिदान" से ऐसे परेषण का परिदान अभिवृत है जो
परेषिती या पृष्ठांकिती की मांग पर रेल प्रशासन द्वारा तब
दिया जाता है जब ऐसा परेषण अनियन्त्रित अवस्था में
पहुंचता है या उस पर भिगाहे जाने के मकेत मिलते हैं।

(ग) "अधिकारी परिदान" से जब सम्पूर्ण परेषण गतव्य स्थान पर
नहीं पहुंचा हो तब परेषण के एक भाग का परिदान अभिवृत
है।

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिवृत है;

(इ) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और
किन्तु परिभ्रायित नहीं हैं, और जो अधिनियम में परिभ्रायित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके कमशः उस अधिनियम में है।

३ परेषण का खुला परिदानः

जब कोई परेषण गतव्य स्थेशन पर क्षतिग्रस्त अवस्था में पहुंचता है
या उसे भिगाहे जाने के मकेत मिलते हैं तो परेषिती या पृष्ठांकिती इन
नियमों के अनुसार ऐसे परेषण के खुले परिदान के लिए रेल प्रशासन से
नियमित रूप में अनुरोध कर सकता।

परस्तु अति की किसी मात्रा के किसी निर्धारण से इस प्रविनियम के प्रधान अपने वायित्य का निराकरण करने के रेल प्रशासन के प्रधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यते जिनके अध्यधीन किसी अनिप्रस्त परेषण का खुला परिदान सौंपा जाएगा।

रेल प्रशासन किसी अनिप्रस्त परेषण का खुला परिदान इस गते के अध्यधीन रहते हुए देसकेगा कि परेषण की क्षमता की मात्रा का निर्धारण ऐसा खुला परिदान हेने वाले रेल सेवक द्वारा छूटिक जाए, और ऐसे अस्य गायत्रिक या भौतिक परीक्षणों के आधार पर जो वह आवश्यक समझे, किया जाएगा।

5. यते जिनके अध्यधीन गड़बड़ किए गए परेषणों का खुला परिदान सौंपा जाएगा।

रेल प्रशासन गड़बड़ किए गए परेषणों के खुले परिदान को निम्नानिवित गतों के अध्यधीन रहते हुए सौंप सकेगा, अर्थात्:—

(1) कभी की मात्रा का निर्धारण खुला परिदान सौंपने वाले रेल सेवक द्वारा परेषिनी या पृष्ठांकिती द्वारा प्रस्तुत को गई रेल रसीद में अनिवित्त बहन में लिए दुक किए गए परेषण के द्वारों का मिलान करने के पश्चात किया जाएगा।

(2) कभी की मात्रा का निर्धारण ईंजिनों या परेषण की भाग अथवा अन्तर्वस्तु की अनुगत गणना करने या बजत करके भी किया जा सकता है।

6. अति या कभी के बूल्य का निर्धारण

परेषिनी या पृष्ठांकिती खुला परिदान सौंपने वाले रेल सेवक की कभी या अति की संगणना करने के लिए समर्थ बनाने हेतु परेषण की अन्तर्वस्तु और बूल्य को उपर्याप्त करने वाला मूल व्यापार भौजक या भौजक या एक अन्य दस्तावेज़ सबसे प्रस्तुत करेगा।

7. आयातित परेषण

आयातित परेषणों की वाबत नियम ५ और ५ के अधीन खुला परिदान परेषिनी या पृष्ठांकितों को अप्रेसन और निकास/अधिकारी विल और यदि ऐसे परेषण का तब सर्वेक्षण किया गया हो तो ऐसे परेषणों की सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के पश्चात रहते हुए सौंपा जाएगा।

8. खुले परिदान का अभिनेता

- (1) ग्राहक परेषण की वाबत खुले परिदान का अभिनेता अनुसूची १ में विनिविट प्रस्तुत में रखा जाएगा।
- (2) उप नियम १ में निविट प्रस्तुत की एक प्रति अथात्विति, परेषिनी या पृष्ठांकिती को भी जाएगी।

9. आयिक परिदान प्रमाणपत्र

जहाँ आयिक परिदान सौंपा जाता है—जहाँ रेल प्रशासन परेषिनी या पृष्ठांकिती को अनुसूची २ में विनिविट आयिक परिदान प्रमाणपत्र देगा।

[म. ८९—यो नी ३/२९/२ आर. ए. / ८९ (दण्ड ८१)]

म. कु. मनिक, निदेशक,
आयातित वाणिज्य (दावा) रेलवे बोर्ड

अनुसूची—१

(नियम ४ और ५ देखें)

परेषण के खुले परिदान का प्रभिनेता

स. — दारोगा — स्टेशन भुटा — से
वाया — दीजक में — रेल रसीद में —
तारीख — परेषण — वैगन में —

प्रेषक — परेषिनी/पृष्ठांकिती

रेल रसीद पर टिप्पण

खुला परिदान सौंपने के समय ईकिंग की जरूरी शई वास्तविक अवस्था—
(अहां सुसंगत हो) —

परिदान टिप्पण (कस्ति/कमी की मात्रा और किसे निकाली) —

खुला परिदान लेने वाले परेषिती/ खुला परिदान सौंपने वाले रेल पृष्ठांकिती या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि मेंक के पदाधिकार सहित पूरे हस्ताक्षर

परेषिती/पृष्ठांकिती/या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम

पूरा पता —

अनुसूची-२

आयिक परिदान प्रमाणपत्र

(नियम ७ देखिए)

रेल ने दीजक में — के अधीन रेल रसीद में — तारीख की — से दीकर — के लिए दुक किए गए — के प्रेषक जो कि परेषण का भाग है — ने — कैंगों का परिदान किया।

आयिक परिदान सौंपने वाले रेल सेवक के पदाधिकार सहित दुर्दे हस्ताक्षर एस. के, मतिक, निदेशक आयातित वाणिज्य (दावा) रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 1990

G.S.R. 942(E).—In exercise of the powers conferred by clauses (h) and (i) of sub-section (2) of section 87 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—

1. These rules may be called the Manner of Giving Open Delivery and Prescription of Partial Delivery Certificate Form Rules, 1990.

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definition :

In these rules unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Railways Act, 1989 (24 of 1989) ;

(b) "Open Delivery" means delivery of a consignment given by railway administration on the demand of the consignee or endorsee when such consignment arrives in a damaged condition or shows signs of having been tampered with".

(c) "Partial Delivery" means delivery of a part of the consignment where the whole consignment has not arrived at the destination ;

(d) "Schedule" means the Schedule to these rules ;

(e) words and expressions used herein and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Open delivery of consignment .

Where any consignment arrives at the destination station in a damaged condition or shows signs of having been tampered with, the consignee or the endorsee may make a request in writing to the railway administration for open delivery of such consignment, in accordance with these rules.

Provided that any assessment of the extent of damage shall not prejudice the rights of the railway administration to repudiate its liability under the Act.

4. Condition subject to which open delivery of a damaged consignment shall be given :

A railway administration may give open delivery of a damaged consignment subject to the condition that the extent of damage to the consignment shall be assessed by the railway servant granting such open delivery on the basis of visual examination and such other chemical or physical tests as he may deem necessary.

5. Conditions subject to which open delivery of tampered consignments shall be given .

A railway administration may give open delivery of tampered consignments subject to the following conditions namely :—

(1) Assessment of the extent of shortage shall be done by the railway servant granting open delivery after comparing the details of the consignment booked for carriage as recorded in the railway receipt produced by consignee or the endorsee.

(2) The extent of shortage may, also, either be assessed, by physical counting of the packages and their contents forming the consignment, or by weightment.

6. Assessment of the value of damage or shortage .

The consignee or the endorsee shall produce the original trade invoice or beejuck or puttee or any other documentary proof indicating the contents and value of the consignment to enable the railway servant granting open delivery to compute the shortage or damage.

7. Imported Consignments .

With respect to imported consignments open delivery under rules 4 and 5, shall be given subject to the consignee or endorsee producing the Forwarding Agents clearance bill and if such consignments have been surveyed then, the survey report of such consignments.

8. Record of open delivery :

(1) The record of open delivery shall be maintained in the form specified in Schedule I with respect to each consignment.

(2) A copy of the form referred to in sub rule 1 shall be provided to the consignee or the endorsee as the case may be.

9. Partial Delivery Certificate :

Where partial delivery is given the railway administration shall furnish to the consignee or endorsee a Partial Delivery Certificate as specified in Schedule II.

[No. 89-TCII/29/2/RA/89(Sec. 81)]

S. K. MALIK,
Director, Traffic Commercial (Claims) Railway Board.

SCHEDULE-I

(See Rule 4 & 5)

RECORD OF OPEN DELIVERY OF
CONSIGNMENT

No. _____ Dated _____ Station Stamp
 From _____ To _____
 Via _____ Invoice No. _____
 R. R. No. _____ dated _____
 Consignment of _____ Wagon No. _____
 Sender _____ Consignee|Endorsee _____
 Remarks on the R. R.
 Actual condition of packing found at the time of giving open delivery (wherever relevant) _____
 Delivery remarks (Extent of Damage|Shortage and how arrived at) _____

Name of consignee|endorsee|or
his authorised representative

Full Address _____

SCHEDULE-II

PARTIAL DELIVERY CERTIFICATE

(See Rule 9)

The _____ Railway has delivered _____ number of packages of _____ forming part of the consignment booked from _____ to _____ via _____ under Invoice No. _____ Railway Receipt No. _____ dated _____ consisting of _____ packages of _____

Signature in full of the consignee|endorsee or his authorised representative taking open delivery with date _____

Signature in full of the Railway Servant, with designation, granting open delivery

Signature in full of the Railway servant, with designation, granting partial delivery.

S. K. MALIK,
Director, Traffic Commercial (Cl.) Railway Board.